सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 303 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 10 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

चुनावी दंगल में कांग्रेस को मात देने... 2 | चुनाव से पहले वोटरों को लुभाने... 3 | झूठे वादों की महारथी है बीजेपी... 7

भगवान का अलग से कोई अस्तित्व नहीं है। हर कोई सही दिशा में सर्वोच्च प्रयास कर के देवत्व प्राप्त कर सकता है।

-भगवान महावीर

सरकार की किरकिरी करा रही है यूपी पुलिस

गोद में बच्चा लिए पिता को पीटती रही पुलिस, क्या यही है रामराज्य

विपक्ष बोला- गरीबों पर सरकार के इशारे पर जुल्म ढा रही पुलिस

» बीजेपी सांसद ने अपनी ही सरकार को घेरा, मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति और कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के आदेशों को खुद कानून के रक्षक ही धज्जियां उड़ा रहे हैं। प्रदेश के थानों में पीड़ितों की गुहार नहीं सुनी जा रही है। बल्कि उल्टा पीड़ितों को दौड़ा-दौड़ा कर पुलिस पीट रही है। हाल यह है कि आगामी चुनाव से पहले की रैलियों में डबल इंजन की सरकार लगातार यूपी की कानून व्यवस्था की मजबूती का ढ़िढोरा पीट रही है। जबकि वहीं दूसरी ओर लगातार सवाल उठ रहे हैं कि कानपुर में गोद में बच्चा लिए पिता को पीटती रही पुलिस, क्या यही है रामराज्य।

कानपुर देहात में पुलिस की बर्बरता का वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष ने सरकार से पूछा कि फरार आईपीएस को पुलिस पकड़ नहीं पा रही और गरीबों पर जुल्म किया जा रहा है यह है हमारी योगी सरकार। ठोको नीति से प्रदेश चला रहे हैं, जनता 2022 में इसका बदला लेगी। वहीं बीजेपी सांसद वरूण गांधी ने भी अपनी ही सरकार को घेरते हुए जवाब मांगा कि इस तरह कानून को हाथ में मत ले पुलिस। जनता से आराम से पेश आए। बीजेपी सांसद बोले कि यूपी की कानून व्यवस्था दिन-ब-दिन बदत्तर होती जा रही है। सरकार की किरकिरी पुलिस ही कराएगी तो आखिर कैसे आगामी चुनाव में जनता के बीच अपनी कानून व्यवस्था का ढिढ़ोरा पीट पाएंगे। दरअसल, कानपुर देहात में बच्चे को गोद में लिए एक पिता पर अकबरपुर कोतवाल वीके मिश्रा जमकर लाठी बरसाईं। जिला अस्पताल के सामने इंस्पेक्टर ने न सिर्फ लाठियों से हमला किया, बल्कि उसके बच्चे को भी छीनने की कोशिश की। पुलिस का दावा है कि इस शख्स ने एक इंस्पेक्टर के हाथ पर काट लिया था। वीडियो वायरल होने के बाद अकबरपुर इंस्पेक्टर को एडीजी जोन भानु भास्कर ने सस्पेंड कर दिया है। इससे पहले देर रात इंस्पेक्टर को लाइन हाजिर किया गया था।

चुनाव सिर पर और कानून व्यवस्था का यह हाल

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

> सशक्त कानून व्यवस्था वो है जहां कमजोर से कमजोर व्यक्ति को न्याय मिल सके। यह नहीं कि न्याय मांगने वालों को न्याय के स्थान पर इस बर्बरता का सामना करना पड़े, यह बहुत कष्टदायक है। भयभीत समाज कानून के राज का उदाहरण नहीं है। सशक्त कानून व्यवस्था वो है जहां कानून का भय हो, पुलिस का नहीं।
>
> -वरूण गांधी, बीजेपी सांसद

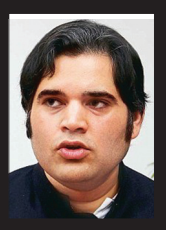

> योगी सरकार ने केवल गरीबों पर लाठी बरसानें का काम ही किया है। अराजकता एवं कुव्यवस्था की भेंट चढ़ गई हैं यूपी की कानून व्यवस्था। 2022 में सरकार को ही जनता उखाड़ फेकेंगी।
>
> -पवन पाण्डेय, प्रवक्ता सपा

> हमारे पीएम-सीएम रैलियों में कानून व्यवस्था की बड़ाई करते हैं तो ये वीडियो व तस्वीरें देखकर पहले अपनी आंखें खोले फिर अपना चुनाव प्रचार करें।
>
> -रितेश कुमार, प्रदेश प्रवक्ता आम आदमी पार्टी

> गरीब, दलित और वंचितों की योगी सरकार में कोई सुनवाई नहीं है। पुलिस गरीबों से बर्बरता से पेश आ रही है। यही ठोकी नीति अगले चुनाव में भाजपा को ले डूबेगी। 2022 में बदलाव तय है।
>
> -अजय कुमार लल्लू, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष

> कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। सरकार की ठोको नीति से ही पुलिस प्रशासन के हौसले बढ़े हैं। पुलिस को लोगों के अंदर भय का माहौल न पैदा कर, बल्कि आमजन से शांति से पेंश आना चाहिए।
>
> -अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव, आरएलडी

पीएम मोदी का बलरामपुर दौरा कल, तैयारियां तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के ताबड़तोड़ दौरे के क्रम में बलरामपुर में शनिवार को दिन में करीब एक बजे सरयू-राप्ती मुख्य नहर परियोजना का शुभारंभ करेंगे।

गोरखपुर में सात दिसंबर को खाद का कारखाना व एम्स गोरखपुर समर्पित करने के चार दिन बाद पीएम मोदी पांच नदियों तथा नौ जनपदों को जोड़ने वाली इस राष्ट्रीय परियोजना का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश में करीब चार दशक से लंबित पड़ी इस परियोजना को प्रदेश सरकार ने चार वर्ष में पूरा किया है।

स्पेशल एजुकेशन जोन बनेगी गोरक्षनगरी : प्रधान

» वैश्विक नागरिक तैयार करना प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि गुरु गोरक्षनगरी को स्पेशल एजुकेशन जोन के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां वैश्विक नागरिक तैयार किए जाएंगे। वैश्विक नागरिक तैयार करना प्रधानमंत्री का लक्ष्य है। इस दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री आज गोरखपुर के महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में आयोजित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नेतृत्व उसी को कहते हैं, जो केवल मुद्दा नहीं उठाता बल्कि उसका समाधान भी निकालता है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसा ही किया है। बहुत से लोग केवल गरीबी हटाओ का नारा देते हैं। भाषण देते हैं। जबकि मोदी और योगी इसे करके दिखाते हैं। बीते दिनों फर्टिलाइजर कारखाना और एम्स का लोकार्पण इसी की कड़ी है। सम्बोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा धर्म केवल उपासना विधि तक सीमित नहीं है। इसका दायरा विस्तृत है। भारतीय मनीषा भी धर्म को सांसारिक उत्कर्ष की वजह मानती है। हमारा दर्शन भी धर्म की विस्तृत व्याख्या करता है। किसी भी धार्मिक पीठ को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काम करना चाहिए। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद और गोरक्षपीठ के संरक्षण में न केवल शिक्षण संस्थाएं संचालित हो रही है बल्कि उल्लेखनीय कार्य भी किया जा रहा है।

यूपी के डिप्टी सीएम पर मकान पर अवैध कब्जा कराने का आरोप

» इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस, अगली सुनवाई 10 जनवरी को होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मकान खाली कराए जाने के एक मामले में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने डिप्टी सीएम के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर जवाब मांगा है। ये आदेश जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश त्रिपाठी की खंडपीठ ने विष्णु मूर्ति त्रिपाठी की याचिका पर दिया। याचिका की सुनवाई 10 जनवरी को होगी। इस मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार को भी याचिका पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका में डिप्टी सीएम पर आरोप लगाए गए हैं।

प्रयागराज के विष्णु मूर्ति त्रिपाठी ने याचिका दाखिल की थी। याचिका में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। याचिका में कहा गया है कि पुलिस ने डिप्टी सीएम की शह पर याची के कालिंदीपुरम स्थित मकान पर कुंती देवी को कब्जा दिलवाया। याची ने इस मकान को गुड़ मंडी चौक निवासी राकेश कुमार गुप्ता और अंजना

गुप्ता से खरीदा था। याची ने इस संबंध में कोर्ट को दस्तावेज भी दिखाए। याची ने हाईकोर्ट के सामने डिप्टी सीएम का पत्र भी प्रस्तुत किया। ये पत्र एसएसपी प्रयागराज को लिखा गया है, जिसमें याची ने जिस मकान को अपना बताया है, उस पर कुंती को कब्जा दिलाकर अवगत कराने को कहा गया है।

हेलीकॉप्टर क्रैश होना अगर साजिश है, तो भारतीय सेना माफ नहीं करेगी : मौर्य

लखनऊ। चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ बिपिन रावत को ले जा रहे हेलीकॉप्टर के क्रैश होने पर निधन को लेकर बुधवार से ही इंटरनेट मीडिया पर तमाम तरह की बातें चल रही हैं। कोई इसे दुश्मन की साजिश करार दे रहा है तो कोई कुछ और। इन सब पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि हेलीकॉप्टर क्रैश होना अगर कोई साजिश होती तो आप क्या सोचते हैं कि भारतीय सेना माफ कर देगी? भारतीय सेना माफ नहीं करेगी। हेलीकॉप्टर के पायलट शहीद विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान के घर पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पिता सुरेंद्र सिंह को हिम्मत बंधाई। साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत की। इसके बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ये बेहद दुखद घटना है। सभी को भारतीय सेना पर गर्व और भरोसा है। मेरे स्तर पर ऐसा कुछ भी बोलना उचित नहीं है।

हार के डर से भाजपा ने वापस लिए तीनों कृषि कानून : प्रमोद कृष्णम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

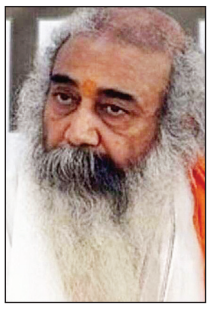

मेरठ। कांग्रेस नेता व कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में हार के डर से भाजपा सरकार ने कृषि कानूनों को वापस लिया है। उन्होंने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बयानों पर तंज कसा। कहा कि केशव प्रसाद मौर्य का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है।

भाजपा के साथ ही सपा, बसपा, रालोद पर भी निशाना साधा। कहा कि उप्र में कांग्रेस की सरकार 32 सालों से नहीं है। इन 32 सालों में उप्र की दुर्दशा हुई है। जिसके लिए भाजपा, सपा और बसपा जिम्मेदार हैं। वह आजाद हिंद फौज के ध्वजवाहक जनरल शाहनवाज खान की पुण्यतिथि पर दिल्ली रोड स्थित मन्नत द पार्टी लान मेरठ में आयोजित समारोह में पहुंचे थे। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि भाजपा, सपा, बसपा ने लोगों को जाति और धर्म में बांट दिया है। प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस ने सत्ता की सियासत कभी न की है, न करेंगे। कई चुनाव हारे हैं, मगर उसूलों से समझौता नहीं किया है। गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल कायम करनी है तो प्रियंका वाड्रा के नेतृत्व में कांग्रेस को जिताना होगा। 40 फीसदी महिलाओं को कांग्रेस से टिकट देने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया। आचार्य कृष्णम ने कहा कि कांग्रेस किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी।

हनुमानजी का रंग लाल नहीं सिंदूरी है, विपक्ष अपनी भूल सुधारें : पाठक

» कानून मंत्री बोले- पिछली बार की अपेक्षा इस बार अधिक सीटें जीतेगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 से पहले प्रदेश में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। यूपी चुनाव में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। बुंदेलखंड अनुसूचित मोर्चा के सामाजिक संवाद कार्यशाला कार्यक्रम को संबोधित करने कानपुर पहुंचे कानून मंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पर जमकर हमला बोला। इस दौरान कानून मंत्री ने अखिलेश यादव को एक नसीहत भी दी है।

कार्यक्रम से पहले हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए सीडीएस विपिन रावत को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद कार्यशाला को प्रदेश के कानून मंत्री बृजेश पाठक ने संबोधित किया। बृजेश पाठक ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर कहा कि लाल रंग खतरे का निशान है। अखिलेश यादव लाल रंग हनुमान जी का रंग बता रहे हैं जो कि गलत है हनुमान जी का रंग लाल नहीं बल्कि सिंदूरी है। वे अपनी भूल को सुधारें। सपा की रैली में उमड़ रही भीड़ पर बृजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव जहां जाते हैं। पूरे प्रदेश के कार्यकर्ता वहां इकट्ठा हो जाते हैं। उनकी रैली में आम आदमी नहीं, बल्कि टोपी लगाए सपा के कार्यकर्ता ही होते हैं। बृजेश पाठक ने कांग्रेस को पटरी से उतरी हुई पार्टी बताया और कहा कि प्रियंका गांधी जो वादे कर रही हैं पहले कांग्रेस शासित राज्यों में लागू करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि बीजेपी पिछली बार की अपेक्षा अधिक सीटों से इस बार जीत दर्ज करेगी।

12 से भाजपा की विजय संकल्प यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेश भट्ट ने बताया कि भाजपा की विजय संकल्प यात्रा 12 से 16 दिसंबर तक हरिद्वार में रहेगी। यात्रा के माध्यम से भाजपा, प्रदेश सरकार की साढ़े चार साल की उपलब्धियां बताएगी और 2022 में जीत का संकल्प लेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी के पहुंचने की उम्मीद है हालांकि शेड्यूल जारी नहीं हुआ है।

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित विधानसभा प्रभारियों और विधायकों की बैठक में भट्ट ने कहा कि यात्रा 11 दिसंबर को देहरादून स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय से शुरू होगी। 12 को ऋषिकेश से शुरू होकर दोपहर 3 बजे हरिद्वार में प्रवेश करेगी। 12 को हरिद्वार में रात्रि विश्राम के बाद 13 दिसंबर को यात्रा रानीपुर, हरिद्वार ग्रामीण, लक्सर और खानपुर पहुंचेगी। 14 को भगवानपुर, झबरेड़ा, मंगलौर विधानसभा और 15 दिसंबर को रुड़की, पिरान कलियर और ज्वालापुर पहुंचेगी। 16 दिसंबर को रानीपुर और हरिद्वार ग्रामीण के लालढांग होते हुए यात्रा कोटद्वार जाएगी।

भाजपा विधायक खब्बू तिवारी की विधानसभा सदस्यता रद

» फर्जी मार्कशीट मामले में की गई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या जिले की गोसाईगंज सीट से भाजपा विधायक इंद्र प्रताप तिवारी उर्फ खब्बू तिवारी की विधानसभा सदस्यता रद हो गई है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। सीट रिक्त होने की सूचना चुनाव आयोग को भेज दी गई है। 18 अक्टूबर 2021 को फर्जी मार्कशीट केस में एमपी-एमएलए कोर्ट ने दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी।

29 साल पहले साकेत महाविद्यालय में अंक पत्र व बैक पेपर में कूट रचित दस्तावेज के सहारे धोखाधड़ी करने के मामले में विधायक के साथ छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष व सपा नेता फूलचंद यादव और चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृपा निधान तिवारी को भी कोर्ट ने दोषी करार दिया था। कोर्ट ने 13-13 हजार रुपए जुर्माना लगाया था। विधायक और दो अन्य दोषियों को जेल भेज दिया गया था। एमपी-एमएलए कोर्ट सजा का ऐलान होते ही इंद्र प्रताप तिवारी उर्फ खब्बू तिवारी की विधानसभा सदस्यता खतरे में आ गई थी। नियम के अनुसार दो वर्ष से अधिक की सजा होने पर सजा की तारीख से ही सदस्यता समाप्त किए जाने का प्रावधान है। इसी नियम के तहत प्रमुख सचिव विधानसभा सचिवालय प्रदीप कुमार दुबे ने अधिसूचना जारी कर 18 अक्टूबर, 2021 से गोसाईगंज सीट रिक्त घोषित कर दी है। दरअसल, यह मामला अयोध्या के थाना रामजन्मभूमि का वर्ष 1992 का है। 14 फरवरी, 1992 में साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय में फर्जी अंक पत्रों के आधार पर प्रवेश प्राप्त करने का मामला प्रकाश में आया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

चुनावी दंगल में कांग्रेस को मात देने के लिए भाजपा के लिए दम लगाएंगी बबीता फोगाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में लड़की हूं, लड़ सकती हूं... के संदेश के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अलग घोषणापत्र से महिलाओं के लिए दांव चला है, तो भारतीय जनता पार्टी ने स्वर्ण पदक विजेता महिला पहलवान बबीता फोगाट को सामने खड़ा कर दिया है। महिलाओं में खास तौर पर युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के लिए बबीता फोगाट भाजयुमो प्रदेश सहप्रभारी यूपी को मथेंगी। प्रभारी राजू बिष्ट और अन्य के साथ उन्होंने यहां दस्तक दे दी है।

यूपी में भाजयुमो की प्रदेश सहप्रभारी बनीं

भाजपा हाईकमान ने हाल ही में दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट को भाजयुमो का प्रदेश प्रभारी बनाया है, जबकि सहप्रभारी की जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय पहलवान बबीता फोगाट, विवेकानंद शशिकांत, गुंजन प्रजापति, अभिमन्यु त्यागी, कुमारी भक्ति शर्मा और विशु बसौया को दी है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद पहली बार पदाधिकारियों की यह टीम लखनऊ पहुंची। प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी, राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह और अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की। प्रदेश मीडिया प्रभारी धनंजय शुक्ला ने बताया कि यह सिर्फ परिचयात्मक बैठक थी। हालांकि माना यही जा रहा है कि प्रदेश मुख्यालय पर हुई। इस बैठक में युवा मोर्चा के आगामी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श हुआ है। जल्द ही यह टीम फिर से प्रदेश के दौरे पर आएगी।

चुनाव से पहले वोटरों को लुभाने के लिए भाजपा-कांग्रेस की अपनी-अपनी चाल

जनता के बीच 'आकांक्षा पेटी' लेकर जाएगी भाजपा

» मतदाताओं की राय से अपना विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेगी बीजेपी

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। चुनाव की तैयारी में अपने सियासी प्रतिद्वंद्वियों से आगे दिख रही बीजेपी अब प्रदेशभर में लोगों की रायशुमारी करेगी। पार्टी चुनाव से पहले 'आकांक्षा पेटी' लेकर लोगों के बीच जाएगी। ये वो बक्सा होगा, जिसमें लोग इस बात का सुझाव दे सकते हैं कि वो बीजेपी के संकल्प पत्र में किन बातों को शामिल करना चाहते हैं। इसकी रूपरेखा तैयार हो गई है। पार्टी जल्द ही तारीख की घोषणा करने वाली है। बीजेपी चुनाव से पहले घोषणा पत्र की जगह विजन डॉक्यूमेंट लाती रही है। चुनावी तैयारियों में बीजेपी कोई कोर कसर नहीं रखना चाहती। पार्टी यूपी चुनाव के लिए संकल्प पत्र जारी करेगी, लेकिन इससे पहले पार्टी के रणनीतिकारों ने उत्तर प्रदेश के लोगों तक पहुंचने की योजना बनाई है। पार्टी सुझाव आमंत्रित करने के लिए लोगों के बीच जाएगी। प्रदेश की सभी विधानसभाओं में ये आकांक्षा पेटियां रखी जाएंगी।

बता दें कि पिछले चुनाव में भी भाजपा ने ये रणनीति अपनाई थी, जो काफी कारगर साबित हुई थी। 2017 के चुनाव में जिन जिलों में भाजपा ने ऐसे अभियान चलाए, वहां भाजपा को वोट प्रतिशत मजबूत था और उन विधानसभाओं में भाजपा प्रत्याशी जीते थे। यहां तक कि भाजपा कई जिलों में दूसरे नंबर पर रही थी। इसी के चलते भाजपा नेतृत्व ने 2022 के चुनाव में यह ठोस रणनीति बनाई है, ताकि भाजपा दोबारा सत्ता में आ सके।

» 2017 में भी संकल्प पत्र बनाने से पहले लोगों से मांगे थे सुझाव

2017

में बीजेपी ने किए थे ये वादे

2017 विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने संकल्प पत्र बनाने से पहले लोगों से सुझाव मांगे थे। पार्टी का दावा है कि उसके बाद पार्टी के इस आधार पर अपना संकल्प पत्र तैयार किया था। उस वक्त बीजेपी ने इस बात को कहा था कि रोजगार के अवसर बढ़ाने, महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने जैसे मुद्दों पर लोगों ने अपनी राय रखी है। लोग चाहते हैं कि ये बदलाव हो, इसलिए बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में इन मुद्दों को शामिल किया है। बीजेपी ने कहा था कि लोग राम मंदिर का निर्माण भी चाहते हैं। संकल्प पत्र में भी राम मंदिर को प्रमुखता से शामिल किया गया था, जबकि उस समय इसका मुकदमा सुप्रीम कोर्ट में चल रहा था।

गांव-गांव प्रतिज्ञा गारंटी कार्ड बांटेगी कांग्रेस

» सरकार बनने पर यूनिक कोड के जरिए लाभार्थी कर सकेंगे दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनता से की गईं प्रतिज्ञाओं को उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ होने पर साकार करने का भरोसा दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी लक्षित समूहों के बीच यूनीक कोड वाला प्रतिज्ञा गारंटी कार्ड बांटेगी। कांग्रेस की सरकार बनने पर इस यूनिक कोड के जरिये लाभार्थी अपना दावा पेश कर सकेंगे। कांग्रेस महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में हुई चुनाव अभियान समिति की बैठक में इस पर चर्चा हुई।

चुनाव समन्वय समिति के साथ प्रियंका की बैठक में विभिन्न समितियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए मंडल स्तर पर समन्वय समिति का प्रभारी और जिला स्तर पर चुनाव अभियान समिति का प्रभारी बनाने का फैसला भी हुआ। बैठक में प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि जिलों में पार्टी की गतिविधियों में ठहराव की स्थिति से निपटने के लिए पार्टी नेताओं के पैनल बनाये जाएं जो प्रतिदिन एक विधानसभा में मतदाताओं से संवाद कर उन्हें पार्टी की मौजूदगी का अहसास कराए। इसमें दूसरे राज्यों के कांग्रेस नेता भी शामिल किये जाएंगे। प्रियंका ने चुनाव अभियान समिति को जल्दी एक्शन मोड में आने के लिए कहा। चुनाव अभियान की निगरानी के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जिसमें वरिष्ठ नेताओं की ड्यूटी लगायी जाएगी।

» जिला स्तर पर चुनाव अभियान समिति का प्रभारी बनाने का भी फैसला

महिलाओं पर केंद्रित घोषणा पत्र

प्रियंका गांधी वाड्रा ने घोषणा पत्र समिति के साथ बैठक की है। इसके बाद जारी किए गए घोषणा पत्र दो तरीके से बनाए गए हैं। घोषणा पत्र महिलाओं पर केंद्रित है जबकि दूसरे नजरिए से देखा जाए तो दूसरा समग्र घोषणा पत्र है, जिसका फोकस किसानों और युवाओं पर हैं। इसमें क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की कोशिश की गई है। छोटे उद्यमियों को राहत देने के उपाय भी हैं। फीडबैक के आधार पर तैयार किये जा रहे घोषणा पत्र को देख प्रियंका ने किसानों और युवाओं से संबंधित और घोषणाएं जोड़ने के लिए कहा था। स्कूलों में स्वास्थ्य और खेलकूद सुविधाएं बढ़ाने पर भी उन्होंने जोर दिया। पिछले लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र के यूपी से संबंधित बिंदुओं को भी इसमें शामिल किया गया है।

ये रिश्ते रिवाइज करने का अभियान

पार्टी के पदाधिकारी कहते हैं कि ये राजनीतिक दल का जनता से अपने रिश्ते रिवाइज करने का अभियान है। जिन लोगों से बीजेपी के कार्यकर्ता सुझाव के लिए संपर्क करेंगे, उन लोगों में से कुछ की भी बात संकल्प पत्र में आ गई तो वो न सिर्फ इस बात को मानेगा, बल्कि पार्टी का चुनाव से पहले ये लोगों तक सीधे पहुंचने का अभियान भी होगा। दिनेश पाठक ये भी मानते हैं कि ये भले ही पार्टी का एक अभियान हो पर ये सकारात्मक पहल है। यूपी बीजेपी के उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक कहते हैं कि बीजेपी जन सरोकार की बात करती है। इसलिए जन आकांक्षाओं को जानना भी जरूरी है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी भी इसे महत्व देते हैं। अपने मन की बात में लोगों से वो भी सुझाव मांगते हैं। हम दूसरे सियासी दलों की तरह नहीं हैं, जिनको जन सरोकारों से कोई लेना देना नहीं। हम लोगों के बीच जा रहे हैं।

चुनाव अभियान में महिलाओं युवाओं पर फोकस

विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के अभियान को धार देने के लिए कांग्रेस महिलाओं और युवाओं पर खास फोकस करेगी। पार्टी की ओर से दो हजार से ढाई हजार कार्यकर्ताओं की गायन मंडलियां तैयार की जाएंगी जो छोटे समूहों में बंटकर मतदाताओं खासतौर पर महिलाओं के बीच जाएंगी और चुनावी गीतों के माध्यम से उन्हें पार्टी का संदेश देंगी। चित्रकूट की तर्ज पर महिला संवाद जैसे कार्यक्रम भी आयोजित करने का इरादा है। दूसरे राज्यों में कांग्रेस की बड़ी महिला नेताओं को भी अभियान में लगाया जाएगा। युवतियों के बीच लड़की हूं लड़ सकती हूं नारा लिखा रिस्ट बैंड भी बांटा जाएगा। युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए जिला स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने पर मंथन हुआ। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

लोगों को बीजेपी से हैं उम्मीदें

बीजेपी ने यह भी कहा था कि प्रदेश की सपा-बसपा सरकारों ने कुछ नहीं किया, इसलिए लोगों को बीजेपी से उम्मीदें हैं। इस बार स्थिति इससे अलग है। इस बार पूर्ण बहुमत से बीजेपी की सरकार न सिर्फ पांच साल पूरे कर रही है, बल्कि बीजेपी इस बात का दावा कर रही है कि योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। बीजेपी और सरकार का दावा है कि जनता की ज्यादातर उम्मीदें योगी सरकार ने न सिर्फ पूरी की हैं, बल्कि एक नया उत्तर प्रदेश भी बनाया है। यही बात बीजेपी के लिए चुनौती है। हालांकि पार्टी के रणनीतिकार इसे चुनाव पूर्व ग्राउंड पर एक सर्वे भी मान रहे हैं। अभी बीजेपी के कई अभियान चल रहे हैं, जिसमें पार्टी लोगों से सीधा संपर्क कर रही है।

बूथों पर हैं खास नजर

प्रदेश में सत्ता को बरकरार रखने के लिए भाजपा नेतृत्व ने बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। साथ ही लोगों को भाजपा से जोड़ने के लिए अभियान में चला रही है। बूथ मैनेजमेंट के जरिए भाजपा एक बार फिर सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही है। इसके लिए बूथ की मजबूती पर भी काम रही है। भाजपा को मालूम है कि बूथ मजबूत होगा तो बहुमत की सरकार बननी तय है।

श्रमिकों को मिले सामाजिक सुरक्षा

घोषणा पत्र समिति के सदस्य के तौर पर बैठक में पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्र ने कानपुर समेत अन्य शहरों में बंद हो चुकीं औद्योगिक इकाइयों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा दिलाने की घोषणा को शामिल करने का सुझाव दिया। कांग्रेस नेता पीएल पुनिया, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा, सुप्रिया श्रीनेत ने भी सुझाव दिए।

पुलिसकर्मियों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला ने लगाई गुहार

कांस्टेबल पति समेत पांच पुलिसकर्मियों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला ने लखनऊ में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में बैठकों के बाद प्रियंका जब गाड़ी में बैठकर जाने लगीं तो शाहजहांपुर से आई महिला उनके वाहन के सामने आ खड़ी हुई। उसे रोता देख प्रियंका ने अपना काफिला रुकवाया। घटनाक्रम की जानकारी होने पर प्रियंका ने महिला को कौल हाउस स्थित अपने आवास पर बुलवाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू उसे लेकर कौल हाउस गए। महिला की बात सुनने के बाद प्रियंका ने उससे कहा कि उसे न्याय दिलाने की हरसंभव कोशिश की जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

उत्तराखंड ने थल सेना को दो प्रमुख दिए और दोनों की अकाल मृत्यु

दुर्भाग्य से इतिहास दुहरा गया और कार्यकाल पूरा करने से बहुत पहले ही जनरल रावत का 8 दिसम्बर 2021 को तमिलनाडु के कुन्नूर के निकट हैलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया। चूंकि सीडीएस का कार्यकाल 5 वर्ष या 65 साल की उम्र तक का होता होता है, इसीलिए उनको अभी इस पद पर जनवरी 2025 तक देश की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभानी थी।

यह दुखद संयोग ही है कि देश की सेना को वीर प्रसूता उत्तराखंड का पहली थल सेनाध्यक्ष बना तो वह कार्यकाल पूरा किए बिना ही सेवा के दौरान ही स्वर्ग सिधार गया। अब इसी उत्तराखंड ने देश को पहला चीफ ऑफ डिफेंस सटाफ दिया तो उनका भी कार्यकाल पूरा होने से पहले ही सेवाकाल में हैलीकाप्टर दुर्घटना में निधन हो गया। पिथौरागढ़ जिले के कनालीछीना ब्लाक के जोशीगांव में जन्में विपिन चन्द्र जोशी जब एक जुलाई 1993 को भारत की थल सेना के अध्यक्ष बने थे तो इस वीरप्रसूता उत्तराखंड के लोगों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया था। जनरल जोशी के बाद पौढ़ी गढ़वाल के द्वारीखाल ब्लाक के बिरमोली-सैण के मूल निवासी बिपिन रावत ने उत्तराखंडवासियों का गर्व के दूसरे क्षण तब दिए जब उन्होंने एक जनवरी 2017 को थल सेना के प्रमुख का पद संभाला। विश्व की सबसे ताकतवर थल सेनाओं में से एक भारतीय थल सेना को एक प्रमुख देने का दूसरा गौरव उत्तराखंड को मिला था। इस सैन्य बाहुल्य प्रदेश के लोगों की खुशियों का तब पारोवार न रहा जब उत्तराखंड के सपूत जनरल बिपिन रावत को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनने का सौभाग्य मिला। जनरल रावत के हाथों में देश की सुरक्षा की कमान आने से यह वीर भूमि गौरवान्वित हुई। लेकिन दुर्भाग्य से इतिहास दुहरा गया और कार्यकाल पूरा करने से बहुत पहले ही जनरल रावत का 8 दिसम्बर 2021 को तमिलनाडु के कुन्नूर के निकट हैलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया। चूंकि सीडीएस का कार्यकाल 5 वर्ष या 65 साल की उम्र तक का होता होता है, इसीलिए उनको अभी इस पद पर जनवरी 2025 तक देश की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभानी थी। 16 मार्च 1958 को देहरादून में जन्मे जनरल रावत के पिता लक्ष्मण सिंह रावत भी सेना में लेफ्टिनेंट जनरल थे। वह एक सिपाही से सेना के दूसरे नम्बर के शीर्ष पद तक पहुंचे थे जो कि उनकी बहादुरी और काबिलियत का प्रमाण था। ऐसे बहादुर सैनिक के घर जन्मे बिपिन को शौर्य और देश के लिए समर्पण के संस्कार अपने परिवार से मिले थे। जनरल रावत की स्कूलिंग देहरादून के कैम्ब्रियन हॉल से शुरू हुई थी। देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी से वह 16 दिसम्बर 1978 को पास आउट होकर 11वीं गोरखा रायफल्स में सेकेण्ड लेफ्टिनेंट बने थे। सेना प्रमुख बिपिन रावत ने कहा कि वह सेवा निवृत होने के बाद अपने पैतृक गांव तथा पैतृक ननिहाल के गांव में कुछ काम करेंगे। सेना के शीर्ष पद पर पहुंचने के बावजूद उनका अपने पूर्वजों की जन्मभूमि उत्तराखण्ड के पहाड़ों से अटूट लगाव रहा। वह पहाड़ की संस्कृति से भी भावनात्मक रूप से जुड़े रहे। मगर बीते दो दिनों से सारा उत्तराखण्ड गमगीन है। बिपिन रावत उत्तराखण्ड की आन बान और शान के प्रतीक जो थे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नए क्षेत्रों में सहकार का पक्षधर रूस

डॉ. उत्तम कुमार सिन्हा

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी शिखर बैठक का ऐतिहासिक महत्व है। भारत और रूस के बीच जो वर्तमान रणनीतिक भागीदारी उभर कर आयी है, उसकी शुरुआत 2000 में हुई थी, जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे। इसके तहत दोनों देशों के नेताओं के बीच एक वार्षिक बैठक का प्रावधान है। इस कड़ी में इस साल 21वीं बैठक हुई है। पिछले साल कोरोना महामारी की वजह से राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी आमने-सामने नहीं मिल सके थे। इस समझौते से पहले 1971 में भी दोनों देशों ने एक अहम करार किया था, जब सोवियत संघ अस्तित्व में था। इस संदर्भ में हालिया बैठक एक समझौते के 50 साल पूरे होने और दूसरे समझौते के दो दशक पूरा होने का अवसर भी है। इन्हीं दो समझौते पर भारत-रूस संबंध आधारित है।

2000 में भी राष्ट्रपति पुतिन थे और आज 2021 में भी वही राष्ट्राध्यक्ष हैं। वर्ष 2000 में उन्होंने ही जोर दिया था कि भारत और रूस के बीच ठोस रणनीतिक सहकार के लिए समझौता होना चाहिए। महत्वपूर्ण देशों में इस सदी में इतने लंबे समय तक कोई भी नेता सत्ता प्रमुख नहीं रहा है। दोनों देशों के बीच जो मौजूदा समझौता है, उसे विशेष एवं विशिष्ट भागीदारी कहा जाता है। राष्ट्रपति पुतिन के भारत आने का एक महत्व यह भी है कि यह यात्रा बदलती वैश्विक परिस्थितियों में हुई है। कोराना महामारी का असर विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा रहा है। अमेरिका से भारत की निकटता बहुत बढ़ गयी है। चीन के साथ हमारे मतभेद बढ़े हैं। अमेरिका और चीन के साथ भारत के समीकरण के संदर्भ में रूसी राष्टपति के दौरे को किसी एक आयाम से नहीं देखा जा सकता है। रूस और चीन के आपसी संबंध बहुत अच्छे हैं, लेकिन अमेरिका के साथ रूस के संबंध डगमगाते हुए दिख रहे हैं। ऐसे में परस्पर संबंधों को पुनः समायोजित किया जा रहा है। महामारी के दौर में राष्ट्रपति पुतिन ने सिर्फ एक यात्रा की है, जब वे अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बैठक करने के लिए जेनेवा गये थे। वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ पिछले साल की तरह वर्चुअल माध्यम से बातचीत कर सकते थे, लेकिन उन्होंने यात्रा करने का निर्णय लिया।

उल्लेखनीय है कि उन्होंने चीन यात्रा के पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम में बदलाव कर भारत आने को प्राथमिकता दी। इससे यह स्पष्ट इंगित होता है कि वे व्यक्तिगत

रूप से भी भारत-रूस संबंधों को बहुत महत्व देते हैं। इस शिखर बैठक के बाद जो समझौते हुए हैं, वे बताते हैं कि दोनों देशों के संबंध गहन होते जा रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से हमारे समझौते रक्षा सहयोग पर केंद्रित रहे हैं। एक समय था, जब भारत के रक्षा आयात का 80 फीसदी हिस्सा पूर्व सोवियत संघ या रूस से आता था। कुछ अन्य देशों से आयात करने के कारण अब इसमें कमी आयी है, फिर भी यह 60 से 65 फीसदी के स्तर पर है। रक्षा से संबंधित परंपरागत सहयोग का उल्लेख इस बार भी हुआ और इसका विस्तार भी हुआ है, लेकिन उभरते हुए नए क्षेत्रों में सहकार बढ़ाने पर भी इस बार जोर दिया गया है। इसमें ऊर्जा, आर्थिक व्यापार, विज्ञान एवं तकनीक संपर्क बढ़ाने और शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक सहयोग की संभावनाओं को साकार करने पर उल्लेखनीय ध्यान दिया गया है। दोनों देश रणनीतिक और कूटनीतिक सहकार को प्रगाढ़ करने की आवश्यकता को कितना महत्व देते हैं, यह इस तथ्य से रेखांकित होता है कि भारत और रूस के बीच पहली बार रक्षा व विदेश मंत्रियों की साझा मुलाकात (2+2) की व्यवस्था बनायी गयी है। ऐसी व्यवस्था भारत पहले अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ बना चुका है। भारत की ओर से इस संबंध में संदेश यह है कि हम रूस को वही मान दे रहे हैं, जो हमने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान को दिया है। इस व्यवस्था के तहत भारत और रूस के विदेश व रक्षामंत्री एक साथ बैठक किया करेंगे, जिसमें सभी संबद्ध मसलों पर व्यापक चर्चा होगा और ठोस निर्णय होंगे। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज के विश्व में रक्षा और कूटनीति में अंतर नहीं रहा है।

राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी की शाम की बैठक से पहले सुबह में दोनों देशों के विदेश व रक्षा मंत्रियों की साझा बातचीत हुई। उसमें सैन्य खरीद पर तो चर्चा हुई, पर एक नयी व्यवस्था यह हुई है कि दोनों देश असॉल्ट राइफलों का निर्माण साझेदारी में करेंगे और उनका निर्माण भारत में होगा। शिखर बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने अहम बात कही कि अब दोनों देश सह-उत्पादन एवं सह-विकास की ओर उन्मुख हो रहे हैं। यह पहलू अब रक्षा के क्षेत्र में भी आ रहा है। इसके अलावा दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग का दायरा बढ़ाया जा रहा है। पहले भी ऐसा होता था, पर वह मुख्य रूप से हथियार लेने, संबंधित प्रशिक्षण देने जैसे स्तरों तक सीमित था।

योजनाएं बेसहारों का सहारा बनें

जया द्रेज

किसी गरीब परिवार में रोटी कमानेवाला ना रहे, तो परिवार पर अचानक विपदा का पहाड़ टूट पड़ता है। वर्ष 1995 में शुरू हुई राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना (एनएफबीएस) का मकसद ऐसे निराश्रित परिवारों को मदद देने का है। दुर्भाग्य से योजना सुस्ती की शिकार रही। इस योजना में आपात सहायता के तौर पर 20 हजार रुपए की मामूली राशि दी जाती है। योजना सिर्फ गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के लिए है और इसमें इतनी औपचारिकताओं को पूरा करना होता है कि किसी का भी धीरज जवाब दे जाए। इसकी यह खस्ताहाली कोई संयोग नहीं है। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय सामाजिक सहायता योजना (एनएसएपी) की अनदेखी की गयी है। मिसाल के लिए वृद्धावस्था पेंशन के मद में केंद्रीय मद से दी जानेवाली सहायता राशि पिछले 15 सालों से 200 रुपये प्रतिमाह पर ठहरी हुई है। इसे बढ़ाने के लिए बारंबार गुहार लगायी गयी। साल 2018 में 66 नामचीन अर्थशास्त्रियों ने एक खुली चिट्ठी भी लिखी थी, लेकिन केंद्र सरकार टस से मस न हुई।

एनएफबीएस का बजट भी ठहरा हुआ है। इस कारण इसका दायरा बढ़ाना या सहायता राशि में इजाफा करना असंभव है। दरअसल एनएफबीएस पर केंद्र सरकार का व्यय 2014-15 के 862 करोड़ रुपए से घटकर 2020-21 में 623 करोड़ रुपये (बजट अनुमान) हो गया और 2020-21 के पुनरीक्षित बजट में यह और भी कम मात्र 481 करोड़ रुपये है। साफ है कि योजना को धीरे-धीरे खत्म किया जा रहा है। यह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि एनएफबीएस को मजबूत करने से कोविड-19 के संकट के दौरान लाखों गरीब परिवारों की मदद की जा सकती थी। एनएफबीएस में जान डालना और सुधार करना हिमालय चढ़ने जैसा कठिन नहीं। पहली बात तो यह है कि आपात सहायता राशि में बड़ी बढ़ोतरी हो, जो लंबे समय से प्रतीक्षित है। शुरुआत में यह राशि 10 हजार रुपये थी, जो 2012 में 20 हजार रुपए की गयी। कार्य-बल के सदस्यों में शामिल केपी कन्नन के अनुसार, शुरू में यह सोचा गया था कि एनएफबीएस के अंतर्गत मुहैया कराये जा रहे लाभ की सीमा भारत के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 80 प्रतिशत तक रखी जाये। इसे आधार मानकर अब सहायता राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये की जानी चाहिए। दूसरी बात यह है कि योजना को गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों के लिए सीमित रखने की शर्त हटायी जानी चाहिए। सब जानते हैं कि ज्यादातर राज्यों में बीपीएल की सूची बहुत पुरानी, अविश्वसनीय तथा अपवर्जन की गलतियों से भरी हुई है। बीते बीस सालों में सामाजिक सुरक्षा के ज्यादातर कार्यक्रमों ने बीपीएल को लक्ष्य कर चलने का अपना रास्ता एक न एक तरीके से बदला है। कुछ कार्यक्रम अब सार्विक हो गये हैं, जैसे स्कूलों में बच्चों को भोजन देने का कार्यक्रम। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (नरेगा) जैसे कुछ कायक्रम मांग-आधारित हैं, यानी जो मांगे उसे काम मिलेगा।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) जैसे कुछ कार्यक्रम भी कथित समावेशन पद्धति के सहारे चल रहे हैं। इस पद्धति में कुछ स्पष्ट और पारदर्शी कसौटियों के आधार पर सुविधा संपन्न परिवारों को अलग छांट दिया जाता है, सो बाकी परिवार अपने आप लाभार्थी की श्रेणी में आ जाते हैं। यह तरीका एनएफबीएस के लिए भी उपयोगी विकल्प हो सकता है। तीसरी बात, इस योजना से जुड़ी औपचारिकताएं तरस रही हैं कि कोई उन्हें सरल, पारदर्शी और लोगों के लिए आसान बना दे। अभी योजना के पात्र परिवार की पहचान करने का मुख्य जिम्मा ग्राम पंचायत या नगरपालिका का है। यह कोई खराब बात नहीं है, लेकिन यहां के बाद एनएफबीएस की अर्जी महीनों तक प्रखंड और जिले की अफसरशाही के गलियारों से गुजरती हुई। मानो अपना रास्ता भटक जाती है। अर्जीदार के पास ऐसा कोई साधन नहीं होता कि वह जान पाये कि आखिर अर्जी पहुंची कहां। तो फिर नियत समय पर अर्जी का जवाब देने की मांग करने की बात यहां क्या करना?

संभावित अर्जीदार को सूचना हासिल करने, औपचारिकताओं को पूरा करने, अर्जी कहां तक पहुंची- इसकी जानकारी रखने, फरियाद दर्ज कराने और किसी शिकायत की सूरत में उसके बाबत क्या कदम उठाये जा रहे हैं, यह जानने के लिए बेहतर सुविधा-सहायता मुहैया कराना जरूरी है. देरी होने की सूरत में क्षतिपूर्ति का प्रावधान रहने से भी नियत समय पर योजना का लाभ सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस सिलसिले की आखिरी बात यह कि इन तमाम बातों में कोई भी एनएफबीएस के बजट में बड़ी बढ़ोतरी के बगैर संभव नहीं है। अगर शुरुआती तौर पर योजना के दायरे में ही दोगुना विस्तार (मौजूदा 3.6 लाख परिवार से बढ़ाकर सालाना 7.2 लाख परिवार) किया जाता है और सहायता राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये प्रति परिवार कर दी जाती है, तो योजना के तहत खर्च की राशि बढ़कर 72 सौ करोड़ रुपये हो जायेगी। यह एनएफबीएस के मौजूदा बजट से लगभग दस गुना ज्यादा है, लेकिन इतने महत्व की राष्ट्रीय योजना के लिए यह राशि मामूली ही कही जायेगी, ज्यादा नहीं. गरीब परिवारों की जरूरत से मेल खाता किसी भी तरह का जीवन बीमा का न होना भारत की उभार ले रही सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था की एक बहुत बड़ी कमी है। एनएफबीएस में सुधार लाकर इस कमी को एक हद तक पूरा किया जा सकता है।

दिमाग और शरीर रहेगा चुस्त

सर्दियों में खाएं हरे लहुसन

सर्दियां आते ही कई तरह के मौसमी फल और सब्जियां बाजार में आ जाती है। ऐसी ही एक सब्जी है जो इन दिनों बाजार में खूब देखने को मिल रही है वो है हरी लहुसन। हरी लहसुन यानि लहसुन की उगी हुई पत्तियां जो देखने में हरे प्याज के पत्तों की तरह ही दिखाई देती है। वैसे तो लहसुन खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए जाना जाता है लेकिन इसकी पत्तियों से बनी सब्जियां खाने में कम स्वादिष्ट नहीं होती है। सर्दियों के मौसम में इसे खाने के वैसे तो बेहद लाभ होते है। जानिए सर्दियों में हरी लहसुन या लहसुन की पत्तियों के ये फायदे...।

आयरन को बढ़ाए

विटामिन सी मेटाबॉलिज्म में आयरन को बढ़ाने का काम करता है। इस बारे में तो सब जानते ही होंगे, लेकिन हरे लहुसन में मौजूद प्रोटीन फेरोपॉर्टिन कोशिका के बाहर से कोशिका के अंदर तक आयरन को संग्रहित करता है, जिससे शरीर को आवश्यकतानुसार आयरन मिलता रहता है।

गुड कॉलेस्ट्रॉल बढ़ाए

इसमें पॉलीसल्फाइड की भरपूर मात्रा होने के वजह से ये दिल को बीमारियों से बचाता है। इसके अलावा इसमें मैग्नीज की भरपूर मात्रा होती है, जो गुड कॉलेस्ट्रॉल से जुड़ी हुई होती है। जो दिल को संतुलित रखने का काम करता है।

ब्लड शुगर को करें नियंत्रित

ब्लड शुगर लेवल को कम करने के लिए भी लहसुन की पत्तियों का सेवन करना फादेमंद होता है। डायबिटीज के रोगियों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए। ब्लडप्रेशर के मरीजों के लिए भी यह दवा की तरह काम करता है। हाई ब्लडप्रेशर को कम करने के लिए इसका सेवन फायदेमंद है।

एंटीसेप्टिक की तरह करता है काम

हरे लहुसन में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। यह एक बेहतरीन एंटीसेप्टिक की तरह काम करता है। किसी भी प्रकार के घाव को जल्दी भरने में भी यह मददगार साबित होगा।

श्वसन तंत्र के लिए फायदेमंद

सांस संबंधी समस्या होने पर इस मौसम में इसका रोजाना सेवन फायदेमंद साबित होता है। यह श्वसन तंत्र की कार्य प्रणाली को बेहतर बनाता है।

ब्लड सर्कुलेशन करे बेहतर

दिमाग में ब्लड सकुर्लेशन को बेहतर करने में भी हरी लहसुन सहायक है। इस मौसम में अगर आपको भी लगता है कि दिमाग सो गया है, तो इसका प्रयोग जरूर करें।

कहानी — रोटी का सफर

मां मुझे रोटी दो। अरे बेटा आकर ले जाओ। ठीक है। अक्षत ने कहा। पर यह क्या हुआ, जैसे मैं रोटी लेने जा रहा था, रोटी ने मुझे हाथ हिलाकर अपनी ओर आकर्षित किया और कहा, अरे अक्षत, मुझे खाने से पहले मेरी बनने की कहानी तो सुन लो। अक्षत ने कहा, ठीक है सुनाओ। मेरे जन्म की कहानी गेहूं से शुरू होती है। किसान दादा ने मुझे उगाया और मैं बड़ा होता गया। अपने परिवार वालों के साथ रहता था। पर एक दिन क्या हुआ, किसान दादा ने मुझे मेरे परिवार वालों से अलग कर दिया और एक अंधेरी कोठरी में डाल दिया। पर सच कहूं मैं बहुत डर गया था। फिर एक दिन मैंने खुद को एक ठेले पर पाया और मैं सोचने लगा कि कोई मुझे लेने कब आएगा और इस उदासीन जगह से ले जाएगा। तभी तुम्हारी मां दूसरी ओर से आईं, मुझे खरीदा और घर पर ले आईं और एक लंबे-चौड़े डिब्बे में डाल दिया। एक दिन तुम्हारी मां ने मुझे उठाया और खूब ठंडे पानी से नहला दिया। कितना ठंडा पानी था पर तुम्हारी मां बहुत अच्छी है। उन्होंने मुझे झट से उठाया और अच्छी गरम-गरम धूप में मुझे सुखाया और ठंडी में तो कितना अच्छा लगता है धूप में सोना, है न! फिर एक दिन मां मुझे एक जगह लेकर गई, उधर तुम्हारी मां ने मुझे एक चक्की में डाल दिया। पर तुम्हारी मां बहुत अच्छी हैं। मुझे लगा था कि वे मुझे घुमाने लाई हैं, पर यहां तो उलटा ही हो गया। उसके बाद मैं चक्की में इतना घूमा कि मुझे तो चक्कर आने लगे। पर अरे! यह क्या हुआ, मैं तो एकदम गोरा हो गया। ऐसा लग रहा था जैसे खूब सारा पावडर लगाकर आया हूं। फिर मां मुझे अपने घर लाई और उन्होंने मुझे ठंडे पानी के साथ मिलाया और उसके बाद मुझे बेलन से इतना चपटा किया कि मुझे ऐसा लगा कि मैंने दुबले होने की दवा ले ली हो। फिर तुम्हारी मां ने मुझे गरम तवे पर डाला, अरे बाप रे! मेरे पैरों में चटके ही लगे जा रहे थे फिर उन्होंने मुझे आग पर डाला। मैं तो जलने लगा फिर मां ने मेरे ऊपर बहुत सारा घी डाला। आ..हा...हा...। घी की खुशबू से तो मेरा दिल खुश हो गया, फिर मैं तुम्हारी थाली में आई। मुझे खुशी है मैं अपने परिवार के लिए तो नहीं, किसी इंसान के पेट भरने के काम तो आई।

हंसना मना है

संता बहुत दिनों बाद प्रेमिका से फोन पर बात कर रहा था, प्रेमिका ने पूछा- कैसे हो?संता- आंखों में चुभन, दिल में जलन, सांसें भी हैं कुछ थमी-थमी सी, है सब तरफ धुआं धुआं सा... प्रेमिका- अभी तक हमारे इश्क में हो ? संता- नहीं यार, दिल्ली में हैं।

अध्यापक- संतोष आम खाता है।

इस वाक्य को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करो?
पप्पू ने अंग्रेजी में ट्रांसलेट किया
"Satisfaction is General Account"!!

पल्स पोलियो टीम घर आयी
गोली (बीबी से): बंदूक और कारतूस कहां हैं ? टीम भागी, पीछे से गोली ने आवाज दी, रुको! ओये रुको!
ये हमारे बच्चों के नाम हैं.!!

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है।

वृषभ — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा।

मिथुन — पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। दिन प्रतिकूल रह सकता है। अधिक लोभ-लालच न करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क — शादी का इंतजार कर रहे युवाओं को इंतजार करना होगा। लंबी यात्रा की योजना बनाने से पहले सावधान रहें। फ्लैट या प्लॉट के ड्रॉ में भाग्यशाली हो सकते हैं। संपत्ति खरीदने के योग हैं।

सिंह — कार्यक्षेत्र में निर्णय महत्वपूर्ण साबित होंगे। आर्थिक मदद लेनी पड़ सकती है। जो लोग अस्वस्थ हैं, उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। यह पूर्ण आनंद का समय है इसलिए आगे ध्यान रखें।

कन्या — परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात हो सकती है। साथ में यात्रा के भी योग हैं। जरूरी काम निपटाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। एक उपहार मिलने की संभावना है।

तुला — शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं।

वृश्चिक — घरेलू मोर्चे पर परिवार व जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

धनु — किसी सौदे से आपको बड़ा धन मिलने की संभावना है। अपने वर्तमान परिवेश को बदल सकते हैं। कुछ छात्रों को कड़ी प्रतिस्पर्धा में सफलता मिल सकती है।

मकर — नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

कुम्भ — किसी पार्टी या समारोह में हुआ भारी खर्च अब आपको परेशान कर सकता है। लाइफस्टाइल पर ध्यान दें, आप बीमारी के शिकार हो सकते हैं। आज कोई आपका दिल दुखा सकता है।

मीन — रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

हाउसफुल से धमाल मचाने वाले रितेश देशमुख अब बने निर्देशक

हिंदी सिनेमा में कई कलाकार ऐसे हैं, जो बतौर एक्टर सफल पारी खेलने के बाद निर्देशन में उतरे। अब ऐसे कलाकारों की लिस्ट में रितेश देशमुख भी शामिल हो गये हैं, जिन्होंने एक्टर के तौर पर 20 सालों तक अपनी अदाकारी से लोगों का मनोरंजन करने के बाद निर्देशक में उतरने का एलान किया है। रितेश की निर्देशकीय पारी मराठी फिल्म से शुरू होगी, जिसकी घोषणा उन्होंने फिल्म का शीर्षक रिवील करके की। रितेश की बतौर निर्देशक पहली फिल्म का नाम वेड है, जिसका इसके साथ रितेश ने लिखा- 20 सालों तक कैमरे के सामने रहने के बाद पहली बार इसके पीछे जा रहा हूं। अपनी पहली फिल्म का निर्देशन करने से पहले विनम्रता के साथ आप सबकी शुभकामनाएं और आशीर्वाद मांग रहा हूं। दीवानगी से भरी इस यात्रा में हमसफर बनिए। वेड अगले साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 12 अगस्त को रिलीज होगी। यह एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म है, जिसका संगीत सैराट फेम अजय-अतुल देंगे। फिल्म में जिया शंकर, जिनिलिया देशमुख और खुद रितेश लीड रोल्स निभा रहे हैं। रितेश की इस नई शुरुआत पर कई सेलेब्रिटीज ने उन्हें बधाई दी हैं। महाराष्ट्र के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे रितेश ने 2003 में आयी फिल्म तुझे मेरी कसम से बतौर लीड एक्टर बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उनकी पत्नी जिनिलिया देशमुख की भी यह पहली फिल्म थी। इसके बाद रितेश ने कई सफल फिल्मों में मुख्य या सहायक भूमिकाएं निभायीं। हालांकि, बड़े पैमाने पर उन्हें कॉमिक किरदारों के लिए पहचान मिली। मस्ती, धमाल, हाउसफुल जैसी सफल फ्रेंचाइजी फिल्मों का वो हिस्सा रहे।

श्रद्धा कपूर भी करने जा रही हैं शादी!

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल के रिलेशनशिप की खबरें लंबे समय से आ रही थीं लेकिन खुद इस स्टार कपल ने कभी अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा और अब दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर भी अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर चर्चा में रहती हैं। श्रद्धा को लेकर भी पिछले कुछ समय से कहा जा रहा है कि वो जल्द ही मशहूर फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ से शादी कर सकती हैं, अब इन कयासों को मजबूती मिलती नजर आ रही है। वेटेरन एक्ट्रेस और श्रद्धा कपूर की मौसी पद्मिनी कोल्हापुरी ने श्रद्धा की शादी से जुड़ा बड़ा हिंट दिया है। दरअसल हाल ही में पद्मिनी कोल्हापुरी ने अपने मशहूर गाने ये गलियां ये चौबारा को रीक्रिएट किया था जिसका वीडियो श्रद्धा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउट पर शेयर किया। इस वीडियो पर कमेंट करते हुए पद्मिनी कोल्हापुरी ने श्रद्धा की शादी का जिक्र किया और लिखा, मैं तुम्हारी और वेदिका की शादी में यह गाने वाली हूं। पद्मिनी कोल्हापुरी के इस कमेंट से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि श्रद्धा जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकती हैं। पद्मिनी कोल्हापुरी ने अपने इस कमेंट को लेकर बॉलीवुडलाइफ से बात की और कहा, श्रद्धा और वेदिका मेरी भतीजी नहीं बल्कि बेटियों की तरह हैं। मैं हमेशा अपनी बेटी के खास दिन, उनकी शादियों में ये गाना गाना चाहती थी।

बॉलीवुड | मसाला

श्रद्धा ने अपनी शादी की खबरों पर कहा था, मुझे नहीं लगता कि इन सबके चलते मेरा फोकस काम से हटता है क्योंकि मैंने अब तक अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत ज्यादा बात नहीं की है। मालूम हो कि अब तक श्रद्धा और रोहन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया है लेकिन कई बार दोनों साथ में नजर आ चुके हैं। कुछ समय पहले मालदीव में श्रद्धा कपूर के कजिन भाई प्रियांक शर्मा की शादी शाजा मोरानी से हुई और इस दौरान भी रोहन वहां मौजूद थे, जहां से उनकी तस्वीरें भी सामने आई थीं। तो वहीं श्रद्धा के बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीर में वो एक्ट्रेस के साथ दिख रहे थे।

शिल्पा शेट्टी को सलाह, बुद्धि बादाम से नहीं, धोखे खाने से आती है

शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अपने फिटनेस वीडियो से लेकर ग्लैमरस तस्वीरों तक से वह सोशल मीडिया पर तहलका मचाती रहती हैं। साथ ही वह अपने गजब के सेंस ऑफ ह्यूमर और मजाकिया अंदाज से भी चर्चा में छाई रहती हैं। लेकिन इन दिनों शिल्पा शेट्टी का एक वीडियो अलग ही वजह से चर्चा में है, जिसे देखने के बाद कोई भी यही पूछेगा, कि क्या शिल्पा सच में इतनी छोटी बात भी नहीं समझ सकतीं। इस वीडियो में शिल्पा शेट्टी टीवी रियेलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' के सेट पर नजर आ रही हैं। जिसमें

उनके बगल में मनोज मुंतशिर बैठे हैं। रेड ड्रेस में चेयर पर बैठकर शिल्पा आराम-आराम से बादाम खा रही हैं। इस दौरान दोनों के बीच जो बातचीत होती है, वह सुनकर कोई भी हैरान रह जाएगा। वीडियो में मनोज मुंतशिर, शिल्पा से कहते हैं कि- 'शिल्पा जी, ये जो बुद्धि है नाज ये बादाम खाने से नहीं आती। धोखे खाने से आती है।' ये सुनते ही शिल्पा जवाब में कहती हैं- 'अच्छा तो मतलब आप बादाम धोके नहीं खाते। इसीलिए।' ये सुनते ही मनोज मुंतशिर हैरान रह जाते हैं। ये वीडियो मनोज मुंतशिर और शिल्पा शेट्टी ने अपने-अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए दोनों ने कैप्शन में लिखा है- 'बुद्धि कैसे आती है?' जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए यूजर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। कई इसे मजाकिया बता रहे हैं तो कुछ शिल्पा के कूल अंदाज पर फिदा होने की बात कह रहे हैं। शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस को लेकर खूब सुर्खियों में रहती हैं। वह अपने आप को फिट रखने के लिए काफी मेहनत करती हैं, जिसका असर भी साफ नजर आता है। योगा से लेकर हेल्दी फूड तक, अपने आप को फिट रखने के लिए शिल्पा शेट्टी हर एक तरीका आजमाती हैं। यही वजह है कि उनकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं।

अजब-गजब | इतिहास के पन्नों में दर्ज है इसका रहस्य

जब एक तांत्रिक महिला ने दुनिया के सबसे ताकतवर देश में मचा दिया था हाहाकार

प्राचीन काल में पूरी दुनिया में कुछ ऐसी घटनाएं हुई, जिनके रहस्य को कोई आज तक नहीं सुलझा पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो अमेरिका से जुड़ा है। जहां एक बूढ़ी महिला के आने के बाद कुछ ऐसी घटनाएं हुई, जिन्हें जानकर यकीनन आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। यही नहीं, इन घटनाओं ने पूरे अमेरिका में हाहाकार मचा दिया था। दरअसल, संयुक्त राज्य अमेरिका के जोर्जिया नामक प्रान्त के प्राचीन अभिलेखों में एक ऐसी तांत्रिक बूढ़ी महिला की जिक्र किया गया है जो इस इलाके में सिर्फ चार महीने तक रुकी थी लेकिन इतने दिनों में यहां ऐसी घटनाएं हुई जिससे लोग सहम गए। यह घटना साल 1853 के 13 नवम्बर की है। तब यहां एक बुढ़िया अपनी चार बिल्लियों के साथ न जाने कहां से आई और फोर्ट वेनिंग क्षेत्र के ट्रेलर पार्क के पास एक फूटे खण्डहर में डेरा डाल कर रहने लगी। उस तांत्रिक बुढ़िया को तमाम लोगों ने देखा और सभी ने यही समझा कि वह कोई भिखारिन अथवा कोई पागल औरत है जो

यहां आकर रहने लगी है। इसलिए किसी ने उसके बारे में ज्यादा ध्यान नहीं दिया। जब उस विक्षिप्त समझी जाने वाली बुढ़िया से पूछा गया तो उसने अपना नाम डास डंकन बतलाया। बुढ़िया अपने को कमारी बतलाती थी। बुढ़िया के बाल श्वेत और शरीर अस्थियों का ढांचा मात्र था। उस तांत्रिक बुढ़िया को कितनों ने ही देखा। मगर यही समझा कि कोई भिखारिन अथवा कोई पागल वृद्धा कहीं से आकर ठहर गई है। अतः किसी ने भी उसकी ओर ध्यान नहीं दिया। जब उस विक्षिप्त समझी जाने वाली बुढ़िया से पूछा गया तो उसने अपना नाम डास डंकन बतलाया। बुढ़िया अपने को कुमारी बतलाती थी। बुढ़िया के बाल श्वेत और शरीर अस्थियों का ढांचा मात्र था। इसके बाद वह बुढ़िया भी गायब हो गई और वह धुंध भी छंट गई। लोगों का अनुमान था कि वह कोई तांत्रिक क्रिया जानने वाली महिला थी। चर्चा का विषय सदैव यह रहता था कि तांत्रिक बुढ़िया का डेरा उसी खण्डहर में है। वह वहीं गप्प और प्रकट होती हुई डेरा डाले रहती है। हुआ यह कि लोगों ने उस खंडहर को ही नष्ट कर डालने की ठानी और समूह बनाकर फावड़ा लेकर वहां पहुंचे। समूह अभी खण्डहर तक पहंचने भी न पाया था कि एक भयंकर चक्रवात उस क्षेत्र में अचानक प्रकट हुआ, जिसने उन सभी को उछालकर पटक दिया। लोगों को काफी चोटें आईं। पेड़ उखड़ गए, झोंपड़े उजड़ गए। यहां पर आश्चर्य इस बात का था कि वह तूफान खंडहर व खण्डहर उखाड़ने वाले लोगों के इर्द-गिर्द ही घुमड़ता रहा और पन्द्रह मिनट तक उन्हें त्रास देने के उपरान्त स्वतः ही समाप्त हो गया। लगातार चार महीने तक यह उथल-पुथल बराबर चलती रही। बाद में अपने आप ही उस बुढ़िया और उसकी हलचलों का न जाने कहां पलायन हो गया।

ये है दुनिया का सबसे खौफनाक आइलैंड, जहां डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को जला दिया गया था जिंदा

हमारी पृथ्वी अनगिनत रहस्यों से भरी पड़ी है। ज्यादातर रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया। यही नहीं, दुनियाभर के वैज्ञानिक भी इन रहस्यों को पूरी तरह से नहीं जान पाए। इन रहस्यों में जंगल, नदी, तालाब समंदर और कई आइलैंड भी शामिल हैं। आज हम आपको एक ऐसे आइलैंड यानी द्वीप के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में जानकर आपकी रूह कांप जाएगा। दरअसल, आज हम आपको यूरोपीय देश इटली के एक आइलैंड के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में कहा जाता है कि इस आइलैंड पर जो भी गया वह कभी वापस लौटकर नहीं आया। बता दें कि इस द्वीप पर अक्सर रहस्यमयी घटनाएं घटती हैं जिसकी वजह से ये द्वीप दुनियाभर में चर्चा का विषय बना रहता है. दरअसल, इटली के वेनिस शहर और लिडो के बीच वेनेशियन खाड़ी में यह रहस्यमयी द्वीप मौजूद है। इस द्वीप के बारे में बताया जाता है कि इस द्वीप पर जो भी गया वह कभी जिंदा लौटकर नहीं आया. इन रहस्य को सुलझाने की कोशिश कई लोगों ने की, लेकिन किसी को इसके बारे में कामयाबी नहीं लगी। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां पर जो भी गया वह जिंदा लौटकर नहीं आया। इसलिए इस रहस्यमयी द्वीप पर इटली की सरकार ने किसी के भी जाने पर रोक लगा दी है। बताया जाता है कि इटली में सैकड़ों साल पहले प्लेग महामारी फैली थी, जिसने खौफनाक रूप ले लिया। बता दें कि उस समय इस महामारी का कोई इलाज नहीं था जिसकी वजह से यहां की सरकार चिंतित थी। सरकार को इस बीमारी के फैलने का डर सता रहा था। इस डर से सरकार ने लगभग एक लाख 60 हजार लोगों को इस द्वीप पर जिंदा जलवा दिया था। इसके बाद यहां पर काला बुखार नाम की बीमारी भी फैलने लगी। इस सबको देखते हुए यहां की सरकार ने फैसला लिया कि इन लोगों के शवों को भी इसी द्वीप पर दफना दिए जाएं।

झूठे वादों की महारथी है बीजेपी : अखिलेश

भाजपा सरकार विज्ञापन में नंबर वन और शासन में शून्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ बीजेपी को झूठे वादों का महारथी करार देते हुए कहा यूपी में आगामी चुनाव में हार के डर से भाजपा बौखला गई है। उन्होंने कहा भाजपा सरकार विज्ञापन में नंबर वन और शासन में शून्य है। उसे झूठे वादों में महारथ हासिल है। मगर अब जनता सच्चाई से परिचित हो गई है। उन्होंने कहा जनता को भाजपा और समाजवादी सरकारों के बीच फर्क मालूम है।

अखिलेश ने कहा 2022 में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में जनता के आक्रोश और अपनी हार से डरी भाजपा में बौखलाहट की स्थिति है। मुख्यमंत्री जी का झूठ ज्यादा दिन चलने वाला नहीं है। भाजपा राज में कोई सुरक्षित नहीं है। प्रशासन पूरी तरह पंगु है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियों में लगी पार्टियां एक-दूसरे पर कड़ा प्रहार करती नजर आ रही हैं। इन्हीं तमाम मुद्दों पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख व यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया कि आगामी चुनाव में हमारी पार्टी 4 सौ से अधिक सीटें ले आएगी। साथ ही उन्होंने बीजेपी पर कई आरोप लगाएं। अखिलेश ने कहा, जिस कानून को बीजेपी ने वापस लिया है उसे पर पहले बताएं कि यह तीन कानून किस तरह से किसानों के हक में थे। अगर किसानों के हक में नहीं थे तो इस तरह के कानून को क्यों पारित किया गया था। अगर यह किसानों के हक में थे तो किस कारण से इसे वापस ले लिया गया। सपा प्रमुख ने कहा, यूपी में सवाल हिंदुत्व का नहीं बल्कि रोजी रोटी, बेरोजगारी और उत्तर प्रदेश के विकास का है। ऐसा नहीं है कि कोई भगवान की पूजा नहीं करता है। आपको हर घर में मंदिर मिल जाएंगे लेकिन यहां पर लोगों के जीवन यापन का सवाल है। आगामी चुनाव में जनता धर्म व जाति के नाम पर विकास के नाम पर वोट देगी। यही जनता भाजपा को सत्ता से बेदखल कर देगी।

पूर्वांचल में विजय यात्रा को सफल बनाने की तैयारी में सपा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव विजय यात्रा को लेकर यूपी के जौनपुर में दो दिन तक रुकेंगे। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लालबहादुर यादव ने अखिलेश के विजय यात्रा कार्यक्रम को लेकर समाजवादी पार्टी के यूथ के चारों फ्रंटल संगठनों की बैठक बुलाई, जिसमें 14 व 15 दिसंबर को अखिलेश की यहां होने जा रही विजय यात्रा को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष ने नौजवान साथियों को निर्देश दिया कि अखिलेश यादव के कार्यक्रम को सफल बनाने मे नौजवानों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रहनी चाहिए। दोनों दिन जौनपुर मे समाजवादी नौजवान ही दिखाई देना चाहिए जौनपुर के लिए गर्व की बात है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दो दिन का समय जौनपुर को दिया है।

उत्तराखंड की जेलों के हाल 90 के दशक की तरह : हाईकोर्ट

» छह महीने के भीतर खाली पड़े पदों पर भर्ती की जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नैनीताल। राज्य की जेलों को लेकर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश जारी करते हुए सरकार से कहा कि जेलों के लिए पूर्ण बजट जारी किया जाए और 6 महीने के भीतर खाली पड़े पदों पर भर्ती की जाए। साथ ही, हाई कोर्ट ने नयी जेलों का निर्माण आधुनिक जेलों के मानकों पर करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि सितारगंज ओपन जेल में औद्योगिक संस्थान खोले जाएं।

चीफ जस्टिस आरएस चौहान की कोर्ट ने 6 जिलों में नई जिला जेल निर्माण के साथ सचिव होम और आईजी जेल को कहा कि जेलों के आवश्यकताओं के हिसाब से प्रस्ताव बनाकर सरकार को दें, जिस पर सरकार हर महीने स्टेटस रिपोर्ट हाईकोर्ट को देगी। महिलाओं के संदर्भ में हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जेलों में सैनिटरी पैड व हाईजीन के साथ रहने और खाने पीने की पूर्ण व्यवस्था की जाए। साथ ही, महिला जेलों में गाइनो डॉक्टर की नियुक्ति भी की जाए। कोर्ट ने पैरोल व सजायाफ्ता कैदियों के लिए सरकार को आदेश दिया कि पुराने नियमों में संशोधन कर नये रूल्स बनाएं। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पैरोल समेत कैदियों के जीवन सुधार के लिए अब तक क्या किया है? पिछली तारीख पर भी चीफ जस्टिस कोर्ट ने आईजी जेल और गृह सचिव से कहा कि वो सभी जेलों का निरीक्षण करें और जेलों की स्थिति पर रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें। दरअसल, राज्य की जेलों में सजा पूरी कर चुके कैदियों को रिहा करने को लेकर दाखिल जनहित याचिका उत्तराखंड हाईकोर्ट में दाखिल की गई थी। बता दें कि राज्य की 11 जेलों में 3420 कैदियों की क्षमता है, लेकिन यहां 5390 कैदी रखे गये हैं।

12 दिसंबर से सरकार गरीबों को मुफ्त में देगी दोगुना राशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार 12 दिसंबर से फ्री राशन वितरण के महाअभियान की शुरुआत करने जा रही है। सरकार इस अभियान के तहत 15 करोड़ से अधिक राशन कार्ड धारकों को बूस्टर डोज के रूप में दोगुना मुफ्त राशन देगी। देश में अब तक का यह सबसे बड़ा राशन वितरण अभियान है। सरकार की योजना का सीधा लाभ अंत्योदय और पात्र घरेलू राशन कार्ड धारकों को मिलेगा। गरीबों, मजदूरों और किसानों को बड़ा सहारा देने के लिए शुरू हो रहे इस अभियान की निगरानी अफसरों के साथ ही सांसद और विधायक भी करेंगे। राशन वितरण के महाअभियान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

» अफसरों के साथ ही सांसद और विधायक भी करेंगे अभियान की निगरानी

योजना के तहत अंत्योदय राशन कार्डधारकों और पात्र परिवारों को दोगुना राशन वितरित किया जाना है। अंत्योदय अन्न योजना के तहत लगभग 1,30,07,969 इकाइयां और पात्र घरेलू कार्डधारकों की 13,41,77,983 इकाइयां प्रदेश में हैं। गौरतलब है कि महामारी के दौर में शुरू हुई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना नवंबर में खत्म हो रही थी। इसको देखते हुए सीएम योगी ने 3 नवंबर को अयोध्या में राज्य सरकार की ओर से होली तक मुफ्त राशन वितरण की घोषणा की थी, जिसके बाद से यूपी के पात्र कार्ड धारकों को हर महीने 10 किलो राशन मुफ्त दिया जा रहा है। केंद्र ने भी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को मार्च 2022 तक बढ़ा दिया है। इतना ही नहीं, यूपी सरकार राशन कार्ड धारकों को महीने में दो बार गेहूं और चावल मुफ्त दे रही है।

राशन दुकानों से दाल, खाद्य तेल और नमक भी मुफ्त दिया जा रहा है। बता दें कि प्रदेश सरकार ने कोरोना काल में भी गरीबों और बेसहारा लोगों की मदद की. 80 हजार कोटेदारों के माध्यम से राशन वितरण अभियान को हर गरीब तक पहुंचाने का बड़ा काम किया है।

स्वतंत्र देव सिंह ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

वार्डों में भाजपा का स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा संगठन के निर्देशानुसार पश्चिम मंडल-एक के तहत भवानीगंज वार्ड में श्रीराम जानकी मंदिर के प्रांगढ़ में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे प्रदेश के यशस्वी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह एवं महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा द्वारा स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम के तहत राम जानकी मंदिर पर साफ-सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस मौके पर अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचन्दर कन्नौजिया, महानगर मंत्री डॉ यूएन पांडेय, अशोक श्रीवास्तव, पश्चिम विधानसभा के विस्तारक दिलीप श्रीवास्तव, मण्डल अध्यक्ष अजय सोनी, पार्षद संतोष राय, पार्षद साधना वर्मा, पार्षद विजय गुप्ता,पार्षद शिवपाल सवारियां, पार्षद राजेश मालवीय, राजीवकृष्ण त्रिपाठी, पुरुषोत्तम पुरी, अंजनी श्रीवास्तव, डॉ. सुजीत पांडेय, हेमन्त दयाल, प्रवीण गर्ग, स्वतंत्र बाजपेयी, कन्हैया द्विवेदी, राजेश मिश्रा(राजन), अभिषेक गुप्ता, गणेश वर्मा, आनंद गुप्ता, कमलेश गुप्ता, शिवशंकर साहू(भोला), उमा पांडेय, नागेंद्र अवस्थी, नोटेश किशोर सहित कई लोग मौजूद थे। इसके अलावा शीतला देवी वार्ड में मां मनपूर्णा मंदिर टिकैतराय एलडीए कॉलोनी के प्रांगढ़ में स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम के तहत मां मनपूर्णा मंदिर पर साफ-सफाई कर स्वच्छता अभियान किया गया।

25 हजार बूथ अध्यक्षों को जीत का मंत्र देंगे नड्डा

» मेरठ में कल होगा कार्यक्रम, तैयारियां पूरी

» सपा-रालोद के गठबंधन की रैली में उमड़ी भीड़ से डरी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिमी यूपी में सपा-रालोद के गठबंधन की रैली में लाखों की भीड़ उमड़ने के बाद भाजपा का उच्च नेतृत्व टेंशन में है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा संगठन को नए सिरे से धार देने में जुट गई है।

प्रदेशभर में दिग्गज नेता बूथ अध्यक्षों को रिचार्ज कर पार्टी की ताकत बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 11 दिसंबर को मेरठ में पश्चिमी उप्र के बूथ अध्यक्षों को संबोधित करेंगे। इससे पहले आज देर शाम तक प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह मेरठ पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। भाजपा की दृष्टि से पश्चिमी उप्र में 14 जिलों में 71 विस सीटे हैं, जिसमें वर्तमान में भाजपा के पास 51 विधायक हैं। लेकिन 2022 विस चुनावों में सपा-रालोद के गठबंधन की वजह से चुनावी लड़ाई कड़ी हो गई है। भाजपा मोदी-योगी फैक्टर और अपने संगठन के दम पर एक बार फिर सत्तासीन होने का दावा कर रही है। इस कड़ी में पार्टी ने माइक्रोमैनेजमेंट प्लान के तहत पश्चिमी उप्र के 27500 सक्रिय बूथों में से करीब 25 हजार बूथों के साथ संवाद करने का कार्यक्रम बनाया है। क्षेत्रीय प्रवक्ता गजेंद्र शर्मा ने बताया कि पार्टी हर कार्यकर्ता और हर घर तक पहुंचने के मैनेजमेंट पर काम कर रही है।

पूर्व एसपी पाटीदार के बाद अब प्रयागराज के पूर्व एसएसपी अभिषेक पर होगी एफआईआर

» भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे आईपीएस की मुश्किलें बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस नीति के अब एक और आईपीएस अफसर पर शिकंजा कसता दिख रहा है। महोबा में एसपी रहे मणिलाल पाटीदार के बाद अब भ्रष्टाचार के संगीन आरोपों से घिरे निलंबित आईपीएस अधिकारी अभिषेक दीक्षित की मुश्किलें और बढ़ती नजर आ रही हैं। सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की जांच में अभिषेक दीक्षित प्रयागराज के एसएसपी के पद पर तैनात रहने के दौरान भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए हैं।

सूत्रों का कहना है कि विजिलेंस ने शासन से इस मामले में निलंबित आईपीएस अधिकारी के विरुद्ध एफआइआर दर्ज किए जाने की अनुमति मांगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिषेक दीक्षित को आठ सितंबर 2020 को निलंबित कर दिया गया था। अभिषेक दीक्षित पर एसएसपी प्रयागराज के पद पर तैनात रहने के दौरान अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के तबादले व पोस्टिंग को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशों का अनुपालन न करने व कार्य में शिथिलता की भी शिकायत थीं। शासन ने अभिषेक दीक्षित के विरुद्ध विजिलेंस जांच का आदेश दिया था, जिसमें वह विभागीय अनियमितता बरतने के साथ ही भ्रष्टाचार के भी दोषी पाए गए। पूर्व में विजिलेंस ने उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की संस्तुति की थी, जिस पर आईजी स्तर के अधिकारी ने विभागीय जांच की थी और अभिषेक दीक्षित समेत अन्य पुलिसकर्मियों के बयान भी दर्ज किए थे। शासन के निर्देश पर विजिलेंस अभिषेक दीक्षित के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति की जांच भी कर रहा है। शासन की अनुमति के बाद तमलिनाडु कैडर के आईपीएस अभिषेक दीक्षित के विरुद्ध जल्द भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज हो सकती है। इससे पूर्व भ्रष्टाचार व अन्य मामलों में पांच आईपीएस पर एफआईआर हो चुकी है।

सरकार से समझौते के तहत हो रही घर वापसी : टिकैत

बॉर्डरों से हटने लगे तंबू, उखड़ने लगे टेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसान आंदोलन खत्म हो चुका है। किसान अपने घर की ओर रवाना होने लगे हैं। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बताया कि दिल्ली के गाजीपुर, टीकरी और सिंघु बॉर्डर पर डटे किसान 15 से 16 दिसंबर तक हट जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम कल से बॉर्डरों से हटना शुरू करेंगे और 4 से 5 दिन यानी 15 से 16 दिसंबर तक बॉर्डर खाली कर देंगे। कल से ही किसान संगठनों की संस्था संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन की समाप्ति का ऐलान करते हुए कहा था कि हम शनिवार से घर वापसी शुरू कर देंगे। इसके बाद से दिल्ली बॉर्डरों पर जाम की समस्या खत्म होने और लोगों को आवाजाही में होने वाली परेशानी दूर होने की उम्मीद बढ़ गई है।

राकेश टिकैत ने गाजीपुर बॉर्डर को लेकर कहा कि हम कम से कम एक रोड को 12 दिसंबर तक खाली करने का प्रयास करेंगे। किसान नेता ने कहा कि सरकार से फिलहाल कोई गतिरोध नहीं है और समझौता हो गया है। यही नहीं, उन्होंने कहा इस आंदोलन में जुटने वाले लोगों के लिए हर साल 8 से 10 दिनों के लिए एक मेले का आयोजन किया जाएगा। इससे लोगों को आपस में मुलाकात करने का मौका मिल सकेगा। इस बीच सिंघु, गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर से किसानों की वापसी का दौर शुरू हो गया है। टेंट उखड़ने लगे हैं, तंबू निकाल कर गाड़ियों में रखे जा रहे हैं। इसके अलावा लंगर का सामान भी लौट रहा है।

16 दिसंबर तक सारे बॉर्डर हो जाएगी खाली

जीत का जश्न मनाएंगी किसान यूनियन : ललित त्यागी

उत्तर प्रदेश किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ललित त्यागी ने कहा इस महत्वपूर्ण जीत का जश्न मनाया जाना चाहिए। किसान यूनियन पूरे देश में अपनी सभी प्रदेश इकाइयों और किसानों से जीत को मजबूत, व्यापक करने, एकता में दृढ़ रहने और एमएसपी, कर्ज माफी, आजीविका संसाधनों की रक्षा और अन्य सभी लंबित मुद्दों पर किसानों के जन आंदोलनों का निर्माण करने का आह्वान करता है। ताकि लंबे समय तक देश में किसान मजदूरों की एकता जीवित रहें। किसान यूनियन व एसकेएम ने वर्तमान मोर्चों को समाप्त कर 11 दिसम्बर को जश्न के साथ वापस जाने का निर्णय लिया है। अमल के मूल्यांकन और अगली रणनीति के लिए 15 जनवरी 2022 को दिल्ली में बैठक होगी।

पिता का पता लगाने जबरदस्ती बच्चे का डीएनए टेस्ट नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

» रेप पीड़िता की मंजूरी जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दुष्कर्म की वारदात के बाद जन्मे बच्चे के पिता का पता लगाने के लिए उसका डीएनए टेस्ट कराने के लिए पीड़िता को मजबूर नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक अहम फैसले में यह बात कही। कोर्ट ने पॉक्सो कोर्ट के उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें रेप पीड़िता के बच्चे के पिता का पता करने का आदेश दिया गया था।

आदेश जस्टिस संगीता चंद्रा की एकल पीठ ने रेप पीड़िता की मां की ओर से दाखिल याचिका को मंजूर करते हुए दिया। कोर्ट ने कहा कि सवाल यह नहीं था कि अभियुक्त पीड़िता के बच्चे का पिता है या नहीं, बल्कि पॉक्सो कोर्ट को यह तय करना था कि अभियुक्त ने पीड़िता से रेप किया है या नहीं। बता दें कि 2017 में सुल्तानपुर की कोतवाली देहात थाने में पीड़िता की मां ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया था कि अभियुक्त ने उसकी 14 साल की बेटी का 7 महीने पहले रेप किया था, जिससे उसकी बेटी गर्भवती है। हाईकोर्ट ने आदेश खारिज करते हुए कहा कि पीड़िता की सहमति के बिना बच्चे के डीएनए टेस्ट का आदेश नहीं दिया जा सकता था। यह हो सकता है कि डीएनए टेस्ट से इंकार करना पीड़िता के खिलाफ जाए, फिर भी आदेश देना कानूनी तौर पर ठीक नहीं है।

मंत्री के बेटे आशीष को जमानत के लिए मिली एक और तारीख

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे और लखीमपुर हिंसा मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्र उर्फ मोनू की जमानत याचिका आज फिर खारिज हो गई। लखनऊ बेंच में हुई सुनवाई में उसे राहत नहीं मिली। उसकी जमानत याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने की। जमानत याचिका पर 29 नवंबर को सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को 10 दिनों में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया था। उसकी जमानत इसके पूर्व सत्र अदालत से खारिज हो चुकी है। इसके बाद उसने हाईकोर्ट की शरण ली है। बता दें कि 3 अक्टूबर को लखीमपुर में हिंसा भड़की थी। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी का आरोपी बेटा आशीष मिश्र ने 4 अक्टूबर को कोर्ट में सरेंडर किया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।